परिशिष्ट

SHIVAJI UNIVERSITY
KOLHAPUR

परिशिष्ट–1

गिरिराज किशोर जीका शोधार्थी द्वारा लिया गया साक्षात्कार

(दि. 13 मई, 1997)

मैं – आपका जन्म दिनांक ?

गिरिराज जी – 8 जुलाई , 1937 ।

मैं – आपके बचपन के कौन–कौन से शौक थे? और आपका बचपन कैसे बीता ?

गिरिराज जी – घुड़सवारी , बैडमिंटन खेलना, पुस्तकें पढ़ना– जैसे प्रेमचंद , वृन्दावनलाल वर्मा, शरत् चन्द्र या फिर पत्र–पत्रिकाएँ भी पढ़ता रहता था । घर में अनुशासन था ।

मैं – आपकी माता जी का नाम क्या है ?

गिरिराज जी – स्व. श्रीमती तारावती ।

मैं – उनका स्वभाव कैसा था ?

गिरिराज जी – सुना है बहुत अच्छा । गायन का शौक । कपड़े सीने का शौक । उस जमाने में घुड़सवारी करती थी, साइकिल पर चढ़ती थीं । परन्तु पुरानपंथी परिवार होने के कारण यह सब करनेकी स्वतंत्रता कम ही थी । मैं डेढ़ वर्ष का था तभी मेरी माँ का स्वर्गवास हो गया था ।

मैं – आपके पिताजी का नाम क्या है ?

गिरिराजजी – स्व. सूर्य प्रकाश ।

मैं – उनका स्वभाव कैसा था ?

गिरिराज जी – वे शांत स्वभाव के थे । अपने पिता को ईश्वर मानते थे । जमीनदारी का काम वे देखते थे ।

मैं – आपके भाई और बहनों के नाम क्या हैं ?

गिरिराज जी – श्रीमती सुभद्रा गुप्ता रघुराज , शिवराज, रामराज, ऊषा अग्रवाल ।

मैं – आपने बी.ए. कब किया ?

गिरिराज जी – 1958 में ।

मैं – आपने एम्. एस्. डब्लू. किस साल किया ?

गिरिराज जी – 1966 में ।

मैं – इसके अतिरिक्त और कोई शिक्षा ?

गिरिराज जी – पीएच्. डी. बीच में ही छोड़ दी ।

मैं – किन भारतीय साहित्यकारों का आपपर प्रभाव पड़ा जिनकी वजह से आपको साहित्य लिखने की प्रेरणा मिली ?

गिरिराज जी – दूसरे प्रश्न के जवाब में जो लिखे हैं ।उन्हें देखें ।

मैं – किन विदेशी साहित्यकारों का आप पर प्रभाव पड़ा ?

गिरिराज जी – टालस्टाय, चैखब, मार्कवेस, काफ्की आस्कर वाइल्ड, जेम्स आस्टिन, बर्नेड़ शॉ आदि ।

मैं – आपको जीवन में कभी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

गिरिराज जी – जमीनदारी समाप्त हो जाने के बाद घर में आर्थिक संकट आ गया था । उस समय पिता ने आगे पढ़ाने के लिए मना कर दिया था । लेकिन मेरे मामा आचार्य जुगुल किशोर और मेरी बुआजाद बहिन सत्या गुप्ता नेमुझे उत्साहित किया ।
वह दौर सभी के लिए कठिनाई का था ।

मैं – आपको कोई पुरस्कार मिले हों तो पुरस्कारों के नाम, देने वाले संस्थान के नाम बता दीजिए

गिरिराज जी – संलग्न सूची देख लें ।

परिशिष्ट-2

प्रमुख लेखक

रचनात्मक लेखन -कहानीकार,उपन्यासकार,नाटककार,साहित्यिक-समालोचना ।

सम्पादन -1. हिन्दी का मासिक साहित्यिक पत्रिका 'निरंतर' का सम्पादन ।
2. नवभारत टाइम्स, जनसत्ता, इण्डिया-टुडे, राष्ट्रीय सहारा,स्वतंत्र भारत,रविवार (पूर्व) परिवर्तन आदि पत्रिकाओं में समसामयिक विषयों पर लेखन ।

प्रकाशित रचनायें

कहानी संग्रह

1. नीम के फूल	-किताब महल, जीरो रोड, इलाहाबाद	1964
2. चार मोती बे-आब	-भारती भण्डार,लीडर रोड, इलाहाबाद	1964
3. पेपरवेट	-राजकमल प्रकाशन,1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज नई दिल्ली	1967
4. रिश्ता और अन्य कहानियाँ	- " " "	1968
5. शहर-दर-शहर	- " " "	1976
6. हम प्यार कर लें	- " " "	1980
7. जगतारनी और अन्य कहानियाँ	- संभावना प्रकाशन, हापुड़, मेरठ	1981
8. गाना बड़े गुलाम अली खाँ का	- नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली	1986
9. वल्द रोजी	- वाणी प्रकाशन- नई दिल्ली	1989
10.यह देह किसकी है	- भारतीय ज्ञानपीठ,लोदी रोड, नई दिल्ली	1990
11.लहू पुकारेगा (संपादित)	- सरस्वती प्रकाशन,खुसरूगंज,इलाहाबाद	

उपन्यास -

1. लोग	-	राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज नई दिल्ली	1966,73,81,84
2. चिड़ियाघर	-	(अक्षर प्र.) सरस्वती विहार,शाहदरा, नई दल्ली	1968-1980
3. यात्रायें	-	राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष चन्द्र मार्ग, दरियागज, नई दिल्ली	1971
4. जुगलबंदी	-	" " "	1973- 84,95
5. दो	-	" " "	1974-80
6. इन्द्र सुनें		" " "	1978

7. दावेदार	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली	1978
8. तीसरी सत्ता	-	" " "	1982
9. यथा प्रस्तावित	-	राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष चन्द्र मार्ग,दरियागंज, नईदिल्ली	1982
10.परिशिष्ट	-	" " "	1984
11.असलाह	-	वाणी प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली	1987
12.अन्तर्ध्वंस	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली	1990
13.ढाईघर	-	भारतीय ज्ञानपीठ,लोधीरोड,नई दिल्ली	1991

(साहित्य अकादमी पुरस्कार-1992)

<u>नाटक</u> -

1. नरमेध	-	नटरंग द्वारा प्रकाशित	
2. प्रजा ही रहने दो	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली	1977-87
3. घास और घोड़ा	-	सरस्वती विहार सहादरा, नई दिल्ली	1980
4. चेहरे-चेहरे-किसके चेहरे	-	लोक भारती, इलाहाबाद	1983
5. केवल मेरा नाम लो	-	हिन्दी साहित्य भवन, कानपुर	1984
6. जुर्म आयद	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली	1987
7. काठ की तोप	-	(अप्रकाशित)	

एकांकी -

1. बादशाह,गुलाम,बेगम-	राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	1979

<u>आलोचना</u> -

1. संवाद सेतु	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली	1983
2. लिखने का तर्क	-	" " "	1991
3. कथ-अकथ	-	वाणी प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली	1991
4. सरोकार	-	नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली	1992

<u>बच्चों की पुस्तकें</u> -

1. बच्चों के निराला, 2.सोने की गुड़िया, 3.पके सोने के पेड़

परिशिष्ट–3

गिरिराज किशोर की स्वदेशी एवं विदेशी भाषाओं में अनूदित रचनाएँ

(1) ए डेथ इन डेलही (पैगुंइन सिरीज):–

स्व.श्री. गॉर्डन सी.रोड़रमल द्वारा आधुनिक हिन्दी कहानियों के संग्रह में सम्मिलित कहानी "रिलेशनशिप" ।यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया प्रेस बर्कले द्वारा प्रकाशित ।अब पैगुंइन (इण्डिया) से प्रकाशित ।

(2) हिन्दीकहानियों का जर्मन भाषा में संग्रह :–

डा.लोठार लुत्से द्वारा जर्मन भाषा में अनूदित ।कहानियों के संग्रह में (अलग–अलग कद के आदमी) जर्मनभाषा में अनूदित एवं सम्मिलित ।

(3) हिन्दी शार्ट स्टोरी (अंग्रेजी):–

सर्वश्री प्रभाकर माचवे एवं श्रवण कुमार द्वारा अंग्रेजी में अनूदित और संपादित संग्रह में " पेपरवेट" कहानी सम्मिलित ।

(4) लिट्रेचर्स डी.लिंडे (अनूदित):–

फ्रेंच भाषा में प्रकाशित संग्रह में सम्मिलित कहानी ।

(5) "यथाप्रस्तावित " एंव " असलाह " उपन्यास:–

कन्नड़ भाषा में अनूदित एवं प्रकाशित अनेक कहानियाँ भारतीय भाषाओं के अनेक पत्रों में अनूदित एवं प्रकाशित ।

(6) ढाईघर:–

प्रसिद्ध पंजाबी कवि डा. हरभजन सिंह द्वारा पंजाबी में अनुवाद । साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (1994)। प्रो.पी.पी.साह द्वारा अंग्रेजी अनुवाद–साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रकाशित (1996)।

पिरिशिष्ट–4

गिरिराज किशोर को प्राप्त सम्मान

(1) चेहरे–चेहरे किसके चेहरे –

नाटक पर हिन्दी संस्थान उ.प्र.लखनऊ द्वारा भारतेन्दु सन्मान से सम्मानित ।

(2) परिशिष्ट–

उपन्यास पर साहित्य परिषद, म.प्र.भोपाल अखिल भारतीय वीरसिंह देव सम्मान ।

(3) एक्सीलेन्सिया गोल्ड मेड़ल –

इन्टरनेशनल आर्डर आफ मेरिटस् आई.बी.सी.केंब्रिज सी.पी.23 पी.क्यू.इंग्लैंड़।

(4) ढाईघर–

उपन्यास पर 1992 का साहित्य अकादमी सम्मान ।

(5) साहित्य भूषण 1995 उ.प्र.हिन्दी संस्थान द्वारा सम्मानित ।

(6) संगीत नाटक अकादमी उ.प्र.नाट्य लेखन के द्वारा 1994 के लिए सम्मान की घोषणा ।

(7) हिन्दी सेवा के लिए पो. वासुदेव सिंह स्वर्ण पदक – उ.प्र.हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा।

शोधकार्य––

लगभग दस विश्वविद्यालयों में लेखक के कथा साहित्य पर पी–एच्.डी.के लिए शोध कार्य किया जा रहा है और कुछ शोध कार्य पूरा हो चुका है ।

परिशिष्ट --5

गिरिराज किशोर का राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभाग

(1) 1972–73 में नॅशनल बुकट्रस्ट द्वारा आयोजित भारतीय भाषाओं में लेखकों के राष्ट्रीय शिबिरों में हिन्दी का प्रतिनिधित्व ।

(2) वत्सल निधि द्वारा आयोजित लखनऊ, वृन्दावन एवं जबलपुर में आयोजित लेखकीय शिबिर में भागीदारी ।

(3) स्व. अज्ञेय जी के नेतृत्व में राम जानकी यात्रा सम्पादित ।

(4) साहित्य आकदमी के हिन्दी सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

(5) उत्तर प्रदेश द्वारा साहित्यकारों की बेहतरी के लिए बनाई गई समिति में राज्यपाल द्वारा मानित सदस्य । परन्तु बाद में त्याग–पत्र ।

गिरिराज किशोर की विदेश यात्राएँ --

डरबन , जोहान्सबर्ग, प्रिटोरिया इत्यादि । साउथ–अफ्रीका–अप्रैल–95, मारीशस–1995, गांधी जी पर शोध कार्य हेतु ।

त्रिनिदाद (वेस्ट इण्डीज)1996, मेम्बर आफ इण्डीयन आफीसियल डेलीगेसन 5 वाँ वर्ल्ड हिन्दी कॉन्फ्रेस ।

14 वीं यूरोपियन साउथ एशिया कॉन्फ्रेस–कोपेनहेगन–सितंबर 1996, लंदन और जर्मनी-1996 ।